Self Respect

25-07-2014

- ✓अभी तुम पुरुषार्थ कर रहे हो रामराज्य में जाने का ।
- ✓दिल अन्दर गद्गद् होना चाहिए, यह हमको पढ़ाने वाला है । यह हमारी एम ऑबजेक्ट है । हम पहले सद्गति में थे फिर दुर्गति में आये अब फिर दुर्गति से सद्गति में जाना है ।
- ✓तुम बच्चे श्रीमत पर विश्व में शान्ति स्थापन करने के निमित्त बने हो । एक बाप के सिवाए और कोई की मत ऊँच ते ऊँच हो नहीं सकती । ऊँच ते ऊँच मत है ही भगवान् की । जिससे मर्तबा भी कितना ऊँचा मिलता है ।

✓बाप आकर तुम बच्चों को समझाते हैं कहाँ तुम गोल्डन, सिलवर एज में थे, कहाँ आइरन एज में आये हो ।

✓ वरदान:- श्रेष्ठ स्मृति द्वारा श्रेष्ठ स्थिति और श्रेष्ठ वायुमण्डल बनाने वाले सर्व के सहयोगी भव !

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग । रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।